Mahila College Dalsinghsarai

Department of History

B.A II (Hons)

Dr. Anu Kumari

Date - 16/07/2021

Q. - मुगल साम्राज्य का पतन के कारणों पर प्रकाश डालें।

=> 1707 ई० में औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात् उत्तराधिकार का युद्ध का आरम्भ हुआ। उसके तीन पुत्र जीवित थे उन्होंने सिंहासन के लिए परस्पर युद्ध किया जो विजयी हुआ उसने बादशाह की पदवी धारण करके सन 1707 ई० में शासन करना आरंभ किया।

=> बहादुरशाह ने राजपूतों पर अपना अधिकार स्थापित करने का प्रयत्न किया राजपूतों ने विद्रोह कर दिया। इस बीच में सिक्खों ने भी विद्रोह कर दिया। इस कारण बहादुरशाह राजपूतों के विरुद्ध कुछ न कर सका।

=> एक बार फिर उत्तराधिकार का युद्ध सन 1712 ई० में बहादुरशाह की मृत्यु हो जाने पर उसके पुत्रों के बीच आरंभ हुआ।

=> मुगल शासन के लिए सबसे बड़ी परेशानी की बात तो यह

थी कि साम्राज्य में चारों ओर स्वतंत्र हो जाने की भावना फैल गई थी। उदाहरण के लिए- हैदराबाद, बंगाल और अवध के महत्वपूर्ण प्रांतों के सूबेदारों ने अपने स्वतंत्र राज्य स्थापित कर लिए थे।

=> मुगल शासकों पर उत्तर-पश्चिम से भी हमले किए जा रहे थे सबसे पहला आक्रमण सन 1739 ई० में ईरान के बादशाह नादिरशाह ने किया। उसने मुगलों से काबुल को पहले ही जीत लिया था उसने उत्तर पश्चिमी से आक्रमण किया और दिल्ली नगर को तहस-नहस कर डाला

=> नादिरशाह शाहजहाँ का तख्तेताऊस और कोहिनूर हीरा भी ईरान ले गया।

=> मराठे शक्तिहीन मुगल सम्राट को अपने बस में रखकर अपने अधिकार का विस्तार करना चाहते थे पर इसी समय अहमदशाह अब्दाली से उनका संघर्ष हो गया और उनको उससे युद्ध करना पड़ा। अफगानों और मराठों के बीच में सन 1761 ई० में पानीपत की तीसरा युद्ध हुआ। मराठों की पराजय हुई और उत्तर भारत से हटने को बाध्य होना पड़ा।

यूरोपीय व्यापारी

=> 18वीं शताब्दी में मुगल राज्य का पतन हुआ और नए राज्य शक्तिशाली बन गए इसी समय कुछ नए लोग भारत पर अपना अधिकार जमाने का प्रयत्न कर रहे थे। ये लोग यूरोप के निवासी थे। इनको दो विशेष सुविधाएं प्राप्त थी एक तो

मुगल साम्राज्य के स्थान पर मराठों का राज्य तथा हैदराबाद अवध और बंगाल जैसे बहुत से राज्य बन गए थे। इसकी सुविधा यह थी कि वे समुद्र के मार्ग से आए और वे सभी समुद्री लड़ाई में बड़े कुशल थे। इसके साथ-साथ यूरोप के लोगों को अपने श्रेष्ठ तकनीकी ज्ञान का भी लाभ था।

यूरोप की कम्पनियाँ

=> यूरोप के छोटे से डेनमार्क ने डेनिश ईस्ट कंपनी बनाकर भारत भेजी। उन्होंने पूर्वी समुद्र तट पर मद्रास के दक्षिण में ट्रैंकीबार में एक फैक्ट्री बनाई।

=> हॉलैंड से भी एक कंपनी भारत से व्यापार करने आई इसका नाम यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कंपनी ऑफ द नीदरलैंड्स था।

=> इंग्लैंड के व्यापारी भी मसालों की खोज करते हुए भारत आए। जब हालैंड के व्यापारियों ने दक्षिण पूर्वी एशिया के मसाले के व्यापार पर अधिकार कर लिया तब अंग्रेज व्यापारी विशेष रूप से भारतीय वस्त्रों का व्यापार करने लगे।

=> अंग्रेजों ने सन 1600 ई० में अपनी व्यापारिक कंपनी की स्थापना की। अंग्रेजों ने मछलीपट्टनम सूरत, फोर्ट सैंट जार्ज और फोर्ट विलियम में अपनी फैक्ट्रियां बनाई।

Scanned with CamScanner

पुर्तगाली राजकुमारी का इंग्लैण्ड के शासक चार्ल्स द्वितीय के साथ विवाह होने पर अंग्रेजों को पुर्तगालियों से दहेज के रूप में मुंबई प्राप्त हुई।

=> भारत से व्यापार करने वाली दो अंग्रेजी कम्पनियाँ थी। सन 1707 ई० में ये दोनो कम्पनियाँ मिलकर एक हो गयी और उसका नाम दि यूनाईटेड कम्पनी ऑफ मरचेंट्स ऑफ इंग्लैण्ड ट्रेडिंग टु दि ईस्ट इंडीज रखा गया।

=> सन 1664 ई० में फ्रांस के लोगों ने भी भारत से व्यापार करने के लिए एक कम्पनी बनाई।

* मुगल राज्य के पतन के कारण

=> 18वी शताब्दी में मुगल साम्राज्य छिन्न-भिन्न होने लगा। पतन के कुछ कारण तो 17वीं शताब्दी में ही जड़ पकड़ चुके थे पर वास्तविक कमजोरियाँ 18वीं शताब्दी में दिखाई पड़ी।

=> औरंगजेब के उत्तराधिकारी कमजोर शासक थे। वे साम्राज्य के पतन होने से रोक न सके।

=> साम्राज्य के पतन का दूसरा महत्वपूर्ण कारण आर्थिक कठिनाइयां थी। इस समय तक न तो पर्याप्त धन बचा था और न ही जागीरें जो विभिन्न अधिकारियों को दी जा सकती थी।

=> मुगलों का सैनिक प्रशासन भी कमजोर हो गया था, अब उच्च अधिकारियों की संख्या का अनुपात बहुत बढ़ गया था। साथ ही मुगलों ने नौसेना के विकास करने की ओर भी अधिक ध्यान नहीं दिया।

=> मुगल कालीन भारत नवीन खोजों की ओर से पूर्णतः उदासीन रहा। घड़ी जैसी महत्वपूर्ण उपयोगी यांत्रिक वस्तु की ओर भी उस समय लोगों का ध्यान नहीं गया। अभिजात वर्ग के लोगों और धनी व्यापारी अपने ऐश्वर्य, वैभव और विलासिता की वस्तुओं से इतने संतुष्ट थे कि ज्ञान के नवीन विकास में उनकी कोई रुचि नहीं थी।

=> विलासिता का जीवन मुगलकालीन भारत का दूसरा पक्ष था, जिसमें व्यापार की आमदनी और भूमि के लगान से प्राप्त बहुत सा धन व्यय हो जाता था।

=> इस विलासितापूर्ण जीवन से 18 वी शताब्दी में देश का चारित्रिक और सामाजिक पतन हो गया।